चरण छः, कार्यक्रम- **02**

एक साप्ताहिक ऑनलाइन राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफ.डी.पी.)

शोध आधारित कौशल संवर्द्धन

(Enhancing Research Based Skills)

09 से 13 मई 2022 तक

संक्षिप्त प्रतिवेदन

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की बहुआयामी परियोजना **पाडत मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन** के अन्तर्गत **श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली** (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) में स्थापित **शिक्षण अधिगम केन्द्र** द्वारा छठे चरण के कार्यक्रमों में **'शोध आधारित कौशल संवर्द्धन'** विषय पर द्वितीय एक साप्ताहिक ऑनलाइन राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफ.डी.पी.) का आयोजन दिनांक 09 से 13 मई 2022 तक किया गया। इस कार्यक्रम क मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को विभिन्न शोध क्रियाओं यथा समस्या को पहचानना, शोध प्रश्न एवं उद्देश्य बनाना आदि से सम्बन्धित कौशलों को संवर्द्धित करना, प्रदत्तों के संकलन, प्रबंधन एवं विश्लेषण की कुशलताओं का निर्माण करना, विविध शोध क्रियाओं को करने हेतु डिजिटल उपकरण एवं सॉफ्टवेयर की प्रयोग क्षमताओं को अभिवृद्ध करना रहे। ऑनलाइन कार्यक्रम का संचालन गूगल मीट के मंच पर किया गया। उद्घाटन सत्र में शिक्षण अधिगम केन्द्र की निदेशक **प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज** महोदया द्वारा स्वागत भाषण एवं कार्यक्रम सन्दर्भ प्रस्तुत किये गय। कार्यक्रम 28 सत्रों में सम्पन्न हुआ, जिनमें उद्घाटन सत्र, उदबोधन सत्र, 14 प्रदर्शन आधारित तकनीकी सत्र, 05 प्रश्नोत्तर सत्र, 05 स्वाभ्यास सत्र, ऑनलाइन आकलन, प्रतिपुष्टि, अनुभव साझा सत्र एवं समापन सत्र सम्मिलित हैं। इस कार्यक्रम में 66 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया एवं सभी ने सफलतापूर्वक प्रतिभाग किया। 66 प्रतिभागियों में से 56 भारत के 16 राज्यों एवं 10 केन्द्र शासित प्रदेशों से प्रतिभागी रहे। 16 राज्यों में से आंध्रप्रदेश से 01, बिहार से 02, छत्तीसगढ से 06, गुजरात से 03, हरियाणा से 02, हिमाचल प्रदेश से 01, कर्नाटक से 01, केरल से 01, महाराष्ट्र से 03, ओडिशा से 01, राजस्थान से 11, तमिलनाडु से 04, तेलंगाना से 02, उत्तराखण्ड से 06, उत्तर प्रदेश से 10, पश्चिम बंगाल से 02 तथा 02 केन्द्र शासित प्रदेशों में जम्मू एवं कश्मीर से 01 एवं दिल्ली से 09 प्रतिभागी रहे। अभिकल्पित तकनीकी सत्रों का संचालन शोध के क्षेत्र में निष्णात देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से **१३ विशेषज्ञों** के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। इन सत्रों में मुख्य विषय के रूप में शोध समस्या का स्थान, शोध परिकल्पनाओं का निर्माण, चरों की पहचान, शोध प्रश्न निर्माण, गूगल फॉर्म द्वारा प्रदत्तों का विश्लेषण, प्लेगरिज्म सम्बन्धी उपकरणों का प्रयोग एवं अनुप्रयोग, एम.एस. एक्सल द्वारा प्रदत्तों का व्यवस्थापन और विश्लेषण, न्यादर्श चयन प्रक्रिया, परिकल्पना परीक्षण, आरेखों द्वारा प्रदत्त प्रस्तुतीकरण, ऑनलाइन सम्बद्ध साहित्य का अन्वेषण एवं अध्ययन तथा शोध उपकरणों की विश्वसनीयता एवं वैधता का परीक्षण इत्यादि रहे। प्रतिभागियों को तकनीकी सत्रों में पठित बिन्दुओं के आधार पर 14 चयनाधारित प्रदत्त कार्य दिये गये। ऑनलाइन प्रशासित आकलन परीक्षण में 72% प्रतिभागियों ने 50% से अधिक अंक प्राप्त किये। अंत में विशेषज्ञों के प्रस्तुत व्याख्यानों की गुणवत्ता के बारे में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि चार श्रेणियों यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम एवं संतोषजनक** में प्राप्त की गई और उनका औसत 77%, 22%, 01% एवं 00% क्रमशः श्रेणियों में प्राप्त किया गया। इसके साथ ही कार्यक्रम के संदर्भ में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि 10 बिंदुओं पर पाँच श्रेणियों में ली गई यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम संतोषजनक एवं असंतोषजनक**। इन 10 बिन्दुओं की श्रेणियों में प्राप्त औसत प्रतिशत में 75% उत्कृष्ट, 21% अति उत्तम, 03% उत्तम, 01% संतोषजनक एवं 00% असंतोषजनक प्राप्त हुआ। समापन सत्र में निदेशक द्वारा गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया तत्पश्चात् **प्रो. हरिकेश सिंह** (पूर्व कुलपति, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार) महोदय का मुख्य अतिथि सम्बोधन एवं अध्यक्षीय भाषण **प्रो. मुरलीमनोहर पाठक** (कुलपति, श्रीला.ब.शा.रा.सं.वि.वि. नई दिल्ली) महोदय द्वारा दिया गया। धन्यवाद ज्ञापन एवं शान्तिपाठ के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम समापनोपरान्त सफल प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र एवं ई-चित्रावली मेल द्वारा प्रेषित किये गए।